

वाष्पीकरण अधिक होता है, अतः गर्म एवं शुष्क हवाओं वाले भागों में खारापन अधिक पाया जाता है। इसलिए गर्म एवं मरु रेखाओं पर खारापन अधिक पाया जाता है। तीव्र गति से चलने वाली पवनें अपने साथ खारापन बहा ले जाती हैं, अतः अपने पहुँचने के स्थान पर खारापन को बहा देती हैं। व्यापारिक पवनें के कारण महाद्वीपों के पूर्वी भागों में पश्चिमी भागों की तुलना में खारापन अधिक पाया जाता है।

4. नदी जल की मात्रा : सामान्यतया, नदियों द्वारा बहने में खारापन बढ़ाया जाता है, किन्तु बहुत अधिक मात्रा में जल उड़लने से खारापन में वृद्धि नहीं होती है। जैसे - कांगो, अमेज़न, डेम्बुष, नीपर, नील आदि नदियों के विशाल जल के कारण ही काला सागर में जल में खारापन का मात्रा कम पाया जाता है।

Next Class :

महासागरों में लवणता का वितरण
(Distribution of Salinity in the Ocean)

शेष जल के लवणों की मात्रा अधिक रह जाती है, जो खारापन के इच्छा का कारण है। वाष्पीकरण की अधिकता के लिए शुष्क एवं गरम वायु, उच्च सूर्योपलब्धता आकाश की स्वच्छता होती चाहिए। लाल भाग में वाष्पीकरण अधिक होता है, इसी कारण आब भाग में लवणता की मात्रा 40% से अधिक होती है।

2. स्वच्छ जल की आपूर्ति

स्वच्छ जल की आपूर्ति में महत्वपूर्ण जल का खारापन प्रभावित होता है। जिन भागों में वर्षा का स्वच्छ जल पहुँचता है, वहाँ खारापन कम पाया जाता है, क्योंकि स्वच्छ जल में लवण कम पाए जाते हैं। विषुवत रेखीय भागों में अधिक वर्षा होने से स्वच्छ जल मिलता रहता है, अतः वहाँ खारापन कम पाया जाता है। ध्रुवीय क्षेत्रों में भी हिमानी के पिघलने से स्वच्छ जल की आपूर्ति होती है, अतः खारापन कम पाया जाता है।

3. पवनों की दिशा एवं शक्ति, गर्म व शुष्क हवाओं के कारण

— महासागरों में खारापन भिन्नता के कारण
(Causes of salinity Differences in the Ocean): —

पृथ्वी पर स्थित लगभग महासागरों, सागरों, आन्तरीक सागरों तथा झीलों में लवणता की मात्रा का अन्तर्गत भिन्नता जाए ता यह स्पष्ट हो जाता है कि सभी महासागरों में खारापन समान रूप से नहीं पाया जाता है। एक ही महासागर में अलग-अलग जगहों पर (वारापन) के भिन्नता पाई जाती है।

इस खारापन की भिन्नता के निम्नलिखित कारण हैं —

1. वाष्पीकरण
2. वर्षा की मात्रा
3. नदी जल की मात्रा
4. पवनों की दिशा एवं प्रकृति
5. समुद्री धाराएँ

1. वाष्पीकरण : —

वाष्पीकरण अधिक होने पर महासागरों के जल में खारापन बढ़ जाता है, क्योंकि वाष्पीकरण पर समुद्री का बहुत सा जल भाप बनकर ऊपर उठ जाता है, जिससे